CBSE Class–5 Hindi

NCERT Solutions

रिमझिम पाठ- 17.

छोटी-सी हमारी नदी

तुम्हारी नदी

प्रश्न 1. तुम्हारी देखी हुई नदी भी ऐसी ही है या कुछ अलग है? अपनी परिचित नदी के बारे में छुटी हुई जगहों पर लिखो -

.... सी हमारी नदी .... धार

गामीयों में .... , ... जाते पर

उत्तर- उजली सी हमारी नदी **तेज इसकी** धार

गर्मियों में **इसके पानी में घुसकर** जाते पार

प्रश्न 2. कविता में दी गई बातों के आधार पर अपनी परिचित नदी के बारे में बताओ-

***धार, *पाट, *बालू, *कीचड़, *किनारे, *बरसात में नदी**

उत्तर- धार - हमारी परिचित नदी की धार कुछ धीमी हो गई है|

पाट - हमारी परिचित नदी की पाट ढालू है|

बालू - इस नदी में बहुत-सा बालू है|

कीचड़ - इस नदी के किनारों पर कीचड़ और रेत भी है|

बरसात में नदी - बरसात में इस नदी में पानी अधिक भर जाता है|

प्रश्न 3. तुम्हारी परिचित नदी के किनारे क्या-क्या होता है|

उत्तर- हमारी परिचित नदी के किनारे लोग पूजा - पाठ करते हैं| कुछ लोग मछलियां पकड़ते हैं| बच्चे यहाँ नहाते हैं तथा दूसरें लोग अपने-अपने अन्य काम करते हैं| जैसे कपड़े धोना आदि |

प्रश्न 4. तुम जहाँ रहते हो, उसके आस-पास कौन –कौन सी नदियाँ हैं| वे कहाँ से निकलती है और कहाँ तक जाती है? पता करो|

उत्तर- हमारे आस-पास गंगा, यमुना नामक दो नदियाँ हैं| ये हिमालय पर्वत से निकलकर समुद्र में मिलती हैं|

कविता के बाहर

प्रश्न 1. इस किताब में नदी का जिक्र और किस पाठ में हुआ है? नदी के बारे में क्या लिखा है?

उत्तर- इस किताब में नदी का जिक्र ‘नदी का सफर’ पाठ में हुआ है| जिसमें नदी के उद्गम, मुहाने, जलप्रपात, उसके मार्ग, गति तथा उससे बनने वाली घाटियों का वर्णन किया गया है|

प्रश्न 2. नदी पर कोई और कविता खोजकर पढ़ो और कक्षा में सुनाओ|

उत्तर- बहता जल

नदी का जल
बहता कलकल
है ये बिल्कुल स्वच्छ और निर्मल
बच्चे नहाते इसमें हर पल
कहीं उछलकर
कहीं मचलकर
बहती रहती है समतल

प्रश्न 3. नदी में नहाने के बारे में तुम्हारा क्या अनुभव है?
उत्तर- नदी में नहाने के बाद एक अलग ही ताजगी मिलती है| नदी में नहाकर हर प्रकार की थकावट मिट जाती है और शरीर में चुस्ती और फुर्ती आ जाती है|

प्रश्न 4. क्या तुमने कभी मछली पकड़ी है अपने अनुभव साथियों के साथ बाँटो|
उत्तर- नदी के किनारे हम घूमने गए थे| वहाँ हमने एक मछुआरे से काँटा लेकर मछली पकड़ी| हमे मछली पकड़ना बहुत अच्छा लगा| लेकिन हमने मछली पकड़ने के बाद उसे वापस नदी में छोड़ दिया, मछुआरा मछली माँगता रहा पर हमने उसे नहीं दी क्योंकि हम उसे मारना नहीं चाहते थे|

यह किसकी तरह लगते हैं?
प्रश्न 1. नदी की टेढ़ी-मेढ़ी धार?
उत्तर- नदी की टेढ़ी-मेढ़ी धार साँप की तरह लगती है|

प्रश्न 2. किचपिच-किचपिच करती है मैना?
उत्तर- किचपिच-किचपिच करती मैना नन्ही-सी चिड़िया जैसी लगती है|

प्रश्न 3. उछल-उछल के नदी में नहाते कच्चे-बच्चे?
उत्तर- उछल-उछल के नदी में नहाते कच्चे-बच्चे मेंढकों की तरह लगते हैं|

कविता और चित्र
· कविता से पहले पद को दुबारा पढ़ो | वर्णन पर ध्यान दो | इसे पढ़कर जो चित्र तुम्हारे मन में उभरा उसे बनाओ| बताओ चित्र में तुमने क्या - क्या दर्शाया?
उत्तर-

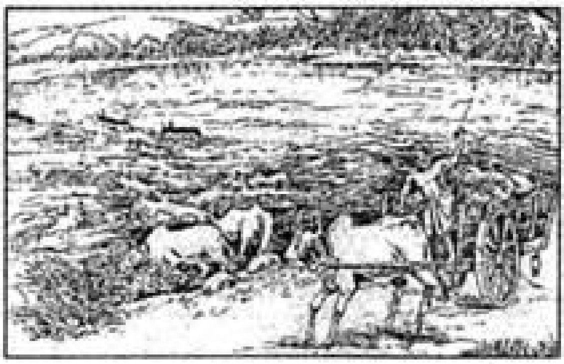

प्रश्न 1. इस कविता के पद में कौन-कौन से शब्द तुकांत हैं? उन्हें छाँटो|

उत्तर- इस कविता के पद में निम्नलिखित शब्द तुकांत है-

धार-पार, चालू-ढालू, नाम-धाम, दार-सियार, वन-सघन, लें-ढालें, नहाना-छाना, रेती-देतीं, उतराती-दंनाती, कोलाहल-चंचल, रोला-टोला|

प्रश्न 2. किस शब्द से पता चलता है कि नदी के किनारे जानवर भी जाते थे?

उत्तर- 'पार जाते ढोर डंगर' से पता चलता है कि नदी के किनारे जानवर भी जाते थे|

प्रश्न 3. इस नदी के तट की क्या खासियत थी?

उत्तर- इस नदी की खासियत ये है कि इसके तट ऊँचे थे|

प्रश्न 4. अमराई दूजे किनारे …….. चल देतीं|

कविता की ये पंक्तियाँ नदी किनारे का जीता - जगता वर्णन करती हैं | तुम भी निम्नलिखित में से किसी एक का वर्णन अपने शब्दों में करो-

· हफ्ते में एक बार लगाने वाला हाट

· तुम्हारे शहर या गाँव की सबसे ज्यादा चल - पहल वाली जगह

· तुम्हारे घर की खिड़की या दरवाजे से दिखाई देने वाला बाहर का दृश्य

· ऐसी जगह का दृश्य जहाँ कोई बड़ी इमारत बन रही हो

उत्तर- हफ्ते में एक बार लगने वाला हाट

हमारे घर के पास मंगलवार के दिन बाज़ार हर सप्ताह लगता है| इसमें कपड़े, खिलौने, सब्जियाँ तथा अन्य जरूरी सामान मिलता हैं| हम अपने माता-पिता के साथ बाज़ार घूमने जाते हैं| बाज़ार में काफी भीड़ होती है| सभी लोग यहाँ अपनी जरूरत की चीजें खरीदते है| इससे बाज़ार लगाने वाले कई लोगों का जीवन चलता हैं|

प्रश्न 5. तेज़ गति शोर मोहल्ला धूप किनारा घना

ऊपर लिखे शब्दों के लिए कविता में कुछ ख़ास शब्दों क इस्तेमाल किया गया है| उन शब्दों को नीचे दिए अक्षर्जाल में ढूँढो|

घा	म		वे	
			ग	

		टो		
	रो	ला		पा
स	घ	न		ट

उत्तर- तेज गति - वेग

शोर - रोला

मोहल्ला - टोला

धूप - घाम

किनारा - पाट

घना - सघन